

बनमानुस पुं. (तद्.) 1. गोरिल्ला, चिपेंजी जैसी बंदरों की प्रजाति वाला अधिक विकसित जंगली पशु 2. (व्यंग्य में) जंगली, असभ्य या गँवार आदमी।

बनमाला स्त्री. (तद्.) 1. बनमाला, तुलसी, कुंद मंदार, परजाता और कमल की माला, वन के फूलों की माला, वन-पुष्प-माला 2. घुटनों तक लंबी और सुंदर ऋतु-पुष्पों की माला।

बनमाली पुं. (तद्.) वनमाला धारणकर्ता 1. वन माली 2. वासुदेव कृष्ण 3. विष्णु, नारायण 3. काव्य में एक प्रकार का छंद 4. मेघ, बादल 5. घने वनों वाला क्षेत्र।

बनमुर्गी स्त्री. (तद्.+फा.) वन-मुर्ग, दवाक, एक शर्मीली चिड़िया जिसका सिर, गर्दन, पीठ पूँछ आदि काले पर माथा, चेहरा, वक्ष आदि सफेद होते हैं, कुकही, वनमुर्गी।

बनरखा पुं. (देश.) 1. जंगल की रखवाली करने वाला, वनरक्षक 2. बहेलियों की एक जाति।

बनवाना स.क्रि. (देश.) बनाने का काम किसी और से करवाना, बनाने में किसी को प्रवृत्त करना।

बनस्थली स्त्री. (तद्.) 1. वनस्थली, जंगल की भूमि, वन का कोई भाग।

बना पुं. (तद्.) 1. बन्ना, बरना, वरणक, वर, दूलह, दूल्हा 2. दंड कला नामक छंद अ.क्रि. (देश.) बनाना क्रिया का भूतकालिक रूप।

बनाना स.क्रि. (देश.) निर्माण करना, रूप या अस्तित्व देना, रचना, तैयार करना, किसी वस्तु को नया रूप देना, स्थिति, रूप, भाव, संबंध आदि में बदलाव, किसी कार्य को संभव, संपन्न कर देना, मरम्मत करना, सुधारना, अभिनय आदि में विशेष रूप धारण करना, सजाना।

बनाफर पुं. (देश.) 1. क्षत्रिय राजपूतों की एक उपजाति 2. उपार्जित करना, वसूल करना, प्राप्त करना, मूर्ख ठहराना, उपहास करना।

बनाम अव्य. (फा.) नाम से, के नाम पर, के विरुद्ध, के प्रति।

बनाव पुं. (देश.) बनावट, रचना, सज्जा, सजावट, तरकीब, युक्ति, तदबीर।

बनावट स्त्री. (देश.) रचना की शैली या रूप-विधान, रूप-रचना, रचना, गठन, गढ़ाव, किसी वस्तु को सुंदर रूप में लाने का भाव, क्रिया, कृत्रिमता, ऊपरी दिखावा, आडंबर, पाखंडपूर्ण व्यवहार।

बनावनहारा पुं. (देश.) बनाने वाला, रचयिता, निर्माता, दोषों को दूर करने वाला, सुधारने वाला, बिगड़े हुए काम को बनाने वाला।

बनास स्त्री. (देश.) राजस्थान में एक नदी का नाम जो अरावली से निकलकर चंबल में जा मिलती है।

बनिक पुं. (तद्.) वणिक, व्यापारी, बनिया, वैश्य।

बनिज पुं. (तद्.) वाणिज्य, खरीदना और बेचना व्यापार, व्यापार का माल, सौदा, ऐसा व्यक्ति जिससे बहुत माल मिल सके।

बनिस्बत अव्य. (फा.) की तुलना में, के अपेक्षाकृत, के मुकाबले में।

बनिहार पुं. (देश.) खेतीहर, मजदूर।

बनैत वि. (देश.) साँग चलाने वाला।

बनैला वि. (देश.) वन्य, जंगली पुं. (देश.) जंगली सुअर, वन्य शूकर।

बपतिस्मा पुं. (अं.) बैप्टिज्म किसी को ईसाई मत की दीक्षा देने से पहले कराया जाने वाला धार्मिक स्नान जिसके साथ ही प्रायः नामकरण भी होता है। baptism

बपु पुं. (तद्.) शरीर, देह, रूप, आकृति, शक्ल, अवतार, रूप।

बपुरा वि. (तद्.) तुच्छ, नगण्य, बापुरा, क्षुद्र, दीन-हीन, बेचारा, गरीब।

बपौती स्त्री. (देश.) 1. पिता की संपत्ति जो पुत्र को उत्तराधिकार में मिलती है, पैतृक संपत्ति, बाप से पाई हुई जायदाद 2. पैतृक संपत्ति पर होने वाला अधिकार।